ओडीओपी उत्पादों की ब्रांडिंग होगी

राज्य मुख्यालय | प्रमुख संवाददाता

जिलों के चिन्हित ओडीओपी उत्पादों को ''75 वंडर्स ऑफ उत्तरप्रदेश'' के रूप में पहचान दिलाने की दिशा में काम शुरू किए गए हैं।

सरकार ने मुंबई की क्रिएटिव एजेंसी क्रेयांस को ब्रांडिंग के लिए चयनित किया है। यह एजेंसी ओडीओपी उत्पादों पर फिल्म बनाने, सोशल मीडिया पर प्रचार सामग्री भेजने आदि का काम करेगी। इस बीच शासन स्तर से प्रमुख रेलवे स्टेशनों और एयरपोर्ट पर उत्पादों के डिस्प्ले और प्रचार के खर्च को वहन करने की अनुमति दे दी गई है।

ब्रांडिंग के तहत किए जाने हैं ये काम

ओडीओपी उत्पादों की ब्रांडिंग के लिए वृहद रणनीति बनाई गई। जिसके तहत इन उत्पादों को प्रसिद्ध स्थलों, एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन पर डिस्प्ले, राज्य के बड़े पार्कों में होर्डिंग्स लगाने के साथ ही सरकारी वाहनों पर ओडीओपी स्टीकर लगाकर प्रचार प्रसार किया जाना है। पावर ऑफ ब्रांडिंग के तहत सभी 75 जिलों के उत्पादों को प्रचार वाहनों के माध्यम से प्रमुख शहरों में प्रदर्शित भी किया जाना तय किया गया है। उत्पादों पर लघु फिल्मों का निर्माण कराकर मेलों, प्रदर्शनियों तथा सरकारी समारोहों में एलईडी के माध्यम से दिखाना भी ब्रांडिंग का हिस्सा है। इन उत्पादों के प्रति राज्य के लोगों में भावनात्मक लगाव पैदा करने की योजना है। जिसके तहत ओडीओपी उत्पादों से जुड़ी स्टोरी उत्पादों के साथ उपभोक्ताओं तक भेजा जाएगा।

एमएसएमई विभाग के अपर मुख्य सचिव डा. नवनीत सहगल के मुताबिक ओडीओपी उत्पादों की ब्रांडिंग के लिए चयनित क्रेयांस क्रिएटिव एजेंसी को ब्रांडिंग का काम शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं।